प्रेषक,

टी०एन० सिंह, अपर सचिव,वित्त, उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें. 23 लक्ष्ती रोड,डालनवाला, उत्तराखण्ड देहरादून ।

वित्त(वे०आ०-सा०नि०)अनु०-०७

वहरादूनदिनाक 20 अगना 2009

विषय:—अनुदान संख्या—06 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2009—2010 में लेखाओं के 2070—अन्य प्रशासनिक सेवार्ये—आयोजनंत्तर—00—105—विशेष जांच आयोग 03 राज्य आयोग और समितिया की विभिन्न मानक गर्दों में क्लान के आयोग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनावेश संख्या 134 / XXVII(7) / 2009 विनाम एक मई,2009 के कम में आपके पत्र संख्या 321 / वजट / वेठआयान ने ने जिल्ली कर्ति / 2009 दिनाक 12 अगरत,2009 के संदर्भ में मुझे यह कहन का निवास हुआ है कि राज्य आयोग और रामितिया मद म तप 2009 10 के आग जगर में प्रतिशानित धनराशि को छठें केन्द्रीय वेतन आयोग के गटन के फलरनरूप आयोग व जायों के संचालन हेतु निम्नितिखित विवरणानुसार रू० 95,000 / -(रू० विचानन हजार गान) की धनराशि संगत मद से तथा रू० 73,000(रू०तिहत्तार हजार) की धनराशि संगत व से तथा रू० 73,000(रू०तिहत्तार हजार) की धनराशि संगत विवरणानुसार अनुदानान्त्यत उपलब्ध बचतों से ज्यातिन होता अथाति कुल रू० 1,68,000(रू० एक लाख अडसठ हजार) की धनराशि लेगन होने में प्राविधानित धनराशि के अतिरिक्त के व्यय हेतु निवर्तन पर रखें जान की भी अवस्थात महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2070-अन्य प्रशासनिक सेवायें-00-आयोजनेत्तर (धनराशि हजा	र रत् भें)
105-विशेष जांच आयोग ।	
03-राज्य आयोग और समितियां ।	
04-यात्रा भत्ता	7
08 कार्यालय व्यव .	-33
11-लेखा सामग्री और फार्मी की छपाई	5
16-त्यवासायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	50
	or

(1) उक्त धनराशि के व्यय हेतु समस्त शर्ते उपरिचारेलिख शारानादेश 04 मह 2009

के अनुसार रहेंगी।

(2) सामान्य प्रशासन(लेखा) अनुभाग – 4 के द्वारा दी गई स्वाना के अनुसार का मानदेय की मद में लेखानुदान अवधि में 07 मानदेय की मद में लेखानुदान अवधि में 07 मानदेय की मद में आधिक व्यय लेकिन बजट प्राविधान पूरे वर्ष कम होने के कारण काषागार के कम्प्यूटर के द्वारा रूठ 13,000 हजार का कम प्राविधान होने के कारण स्वीकार नहीं किया जा नहा है इसीलिए उनके अनुरोध पर सलग्न बी०एम०–15 में 07–मानदेय की मद में रूठ 13,000 हजार की धनराशि सामान्य प्रशासन विभाग के लिए अनुदानान्तर्गत उपलब्ध कवतों से व्यवतंत्र के द्वारा स्वीकृत की जा रही है अतः इस धनराशि का आहरण निदेशक काषागार के द्वारा न करके वित्त अधिकारी, सविवालय प्रशासन विभाग के द्वारा ही किया जाएगा।

(3)इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009—10 के आय—व्ययक के अनुदान संख्या—6 के लेखाशीर्षक 2070—अन्य प्रशासनिक संवाय— आयोजनेत्तर — 105—विशेष जांच आयोग—03 राज्य आयोग और समितियां शीर्षक 2070— के अन्तिगत संलग्नक बी०एम0—15 के कालम—5 तथा उपरिउलिखित कालम की सुसंगत मानक

मदौं के नामें डाला जायेगा !

सलग्न- यथोपरि !

भवदीय (टी०एन० सिंह) अमर सचिव

संख्या: 23 | / xxvii(7) / 2009तद्दिनांक प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेवित: – (1)महालेखाकार,ओवेराय भवन,माजरा,देहरादून ।

(2)सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग,उत्तराखण्ड शासन

(3)वित्त अधिकारी, इरला चैक अनुभाग,उत्तराखण्ड शासन।

(4)वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी,देहरादून,उत्तराखण्ड।

(5)निदेशक,एन०आई०सी०उत्तराखण्ड,देरादून ।

(६)गार्ड फाईल ।

आज्ञा सं (देवेन्द्र पालीकाल) उप सचिव पुनर्विनियोग वर्ष 2009—10 आयोजनेत्तर— अनुदान सं०— 06

(वनशाशि हजार क0 मैं)

	बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का म विदरण लेखा शीर्षक 2070— अन्य प्रशासनिक संदायं—00— आयोजनैत्तर —105 विशेष जांच आयोग —03 राज्य आयोग और समितियां 16— व्यावसायिक तथा विशेष	मानक अध्यावधिक व्यय 316	शिक्तीय वर्ष की अवश् शुष अवधि में अनुमानित व्यय	अत्यशेष 1000(क)	लेखा शीर्षक जिसमें धनसाश स्थानान्तरित की जानी है। तेखा शीर्षक 2070- अन्य प्रशासनिक सेवाये-00- आयोजनेत्तर -105 विशेष जांच आयोग -03 राज्य आयोग और समितियां 04- यात्रा व्यय 53 (ख)	सम्बन्ध	वाद स्तम्म —। में अवशेष धनशाशि
500						157	
						586	3527

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनविविनियोग में बजाट मैनुअल के परिच्छेद 150–156 में डॉल्लाखित प्राविधानों एवं सामाआ

उत्तरगयन्यन्य शासन वित्त (क्षेत्रज्ञा०—सा०नि०)अनु—7 संख्या 2%।-1/ XXVII(१) / 2009 देहरादून दिनांक 2.0 अगस्त 2009

उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा

चेहराद्त ।

महालेखाकार,

नेवा में,

पुनविनियोग स् एत (टी० एन० सिंह) अपर सहिब, वित्त

Sp.

(टी० एन० सिंह) अमर सविव, विल

संख्या २९१ / XXVII(7) / 2009 दिनांक २-० अगस्त 2009 प्रतिक्षित — निम्नलिखित को सूननार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित — १— कोषाद्यिकारी, देहरादून । २- केन्द्रीयकृत भुगतान एवं लेखा कार्यात्वय सबिवालय प्ररिशर स्नामान्य प्रशासन अनुपाप ।